FEMBoSA के फोरम के अध्यक्ष नियुक्त हुए भारत के निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा

भारत के निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा को दक्षिण एशियाई देशों के निर्वाचन प्रबंधन निकायों (FEMBoSA) के फोरम के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। उनहोंने 24 जनवरी को फोरम के अध्यक्ष के रूप में 2020 के लिये कार्यभार संभाल लिया। फोरम की नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक बैठक में अरोड़ा ने निवर्तमान अध्यक्ष बांग्लादेश के निर्वाचन अधिकारी के एम नुरुल हुडा से कार्यभार संभाला।

FEMBoSA फोरम का गठन सार्क देशों के निर्वाचन निकायों की मई 2012 में आयोजित बैठक के दौरान किया गया था। इस फोरम में भारतीय निर्वाचन आयोग के अलावा अफगानिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के निर्वाचन निकाय भी सदस्य हैं। बैठक में पाकिस्तान ने शिरकत नहीं की। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद द्विपक्षीय तनाव के कारण पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया था। फोरम की पिछली बैठक सितंबर 2018 में बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित की गयी थी।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस : 25 जनवरी

प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' (National Voters' Day) के रूप में मनाया जाता है। इसे दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य लोगों को अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष 2020 में 10वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस है।

'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' भारतीय चुनाव आयोग (ECI) के स्थापना दिवस के दिन मनाया जाता है। भारतीय चुनाव आयोग का गठन 25 जनवरी 1950 को किया गया था। पहली बार यह दिवस 2011 में मनाया गया था।

मतदाता दिवस का विषय: राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2020 का विषय (theme) – 'सशक्त लोकतंत्र के लिए चुनावी साक्षरता' (Electoral Literacy for Stronger Democracy) है।

पद्म पुरस्कार 2020 : कुल 141 लोगों को मिला पद्म पुरस्कार

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सरकार ने वर्ष 2020 के पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। इस वर्ष कुल 141 लोगों को पद्म पुरस्कार दिए जायेंगे। 7 लोगों को पद्म विभूषण, 16 को पद्म भूषण और 118 को पद्मश्री पुरस्कार दिया जाएगा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज फर्नान्डीस, सुषमा स्वराज, अरूण जेटली और पेजावर मठ के महंत विश्वेषतीर्थ स्वामी जी को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया जाएगा। मॉरिशस के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरूद्ध जगनाथ, शास्त्रीय संगीत गायक छन्नू लाल मिश्र और मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को भी पद्म विभूषण प्रदान किया जायेगा।

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर तथा विख्यात कानून और शिक्षाविद एन।आर। माधव मेनन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया जायेगा। जाने माने लेखक मनोज दास, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और उद्योगपति आनंद मंहिद्रा को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा।

फुटबॉल खिलाड़ी ओइनेम बेमबेम देवी, फिल्म निर्देशक करण जौहर और अभिनेत्री कंगना रनौत को पद्मश्री प्रदान किया जायेगा। पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुने गए गण्यमान्य व्यक्तियों में जगदीश लाल आहूजा, जावेद अहमद टाक, तुलसी गौड़ा, मोहम्मद शरीफ, सत्यनयन मुंडयूर, एस रामकृष्ण और योगी ऐरन शामिल हैं।

पद्म पुरस्कार 2020 की सूची:

पद्मविभूषण : -

- जॉर्ज फर्नांडीस (मरणोपरांत) (सार्वजनिक सेवा)
- अरुण जेटली (मरणोपरांत) (सार्वजनिक सेवा)
- अनिरुद्ध जगन्नाथ जीसीएसके (सार्वजनिक सेवा)
- एमसी मैरीकॉम (खेल)
- छन्नूलाल मिश्रा (कला)
- सुषमा स्वराज (मरणोपरांत) (सार्वजनिक सेवा)
- विशवेश्वतीर्थ स्वामीजी श्री पेजावरा अधोखाजा मठ उडुपी (मरणोपरांत) (अध्यात्म)

पद्मभूषण: -

- एम मुमताज अली (श्री एम) (अध्यात्म)
- सईद मुअज्जम अली (मरणोपरांत) (सार्वजनिक सेवा)
- मुजफ्फर हुसैन बेग (सार्वजनिक सेवा)
- अजय चक्रवर्ती (कला)
- मनोज दास (साहित्य एवं शिक्षा)
- बालकृष्ण दोषी (आर्किटेक्चर)
- कृष्णम्मल जगन्नाथन (सार्वजनिक सेवा)
- एससी जमीर (सामाजिक सेवा)
- अनिल प्रकाश जोशी (सामाजिक कार्य)
- डॉ. त्सेरिंग लांदोल (मेडिसीन) लद्दाख
- आनंद महिन्द्रा (कारोबार एवं उद्योग)
- एनआर माधव मेनन (मरणोपरांत) (सार्वजनिक सेवा) केरल
- मनोहर गोपालकृष्ण प्रभु पर्रिकर (मरणोपरांत) (सार्वजनिक सेवा)

- प्रो. जगदीश सेठ (साहित्य एवं शिक्षा)
- पीवी सिंधू (खेल)
- वेणुश्रीनिवासन (कारोबार एवं उद्योग)

पद्मश्री : -

- गुरु शशधर आचार्य (कला)
- डॉ. योगी एरोन (चिकित्सा)
- जयप्रकाश अग्रवाल (व्यापार एवं उद्योग)
- जगदीश लाल आहूजा (सामाजिक कार्य)
- काजी मासूम अख्तर (साहित्य एवं शिक्षा)
- ग्लोरिया एरीरा (साहित्य एवं शिक्षा)
- खान ज़हीरखन बख्तियारखान (खेल)
- डॉ. पद्मावती बंदोपाध्याय (चिकित्सा)
- डॉ. सुषोवन बनर्जी (चिकित्सा)
- डॉ. दिगंबर बेहरा (चिकित्सा)
- डॉ. दमयंती बेशरा (साहित्य एवं शिक्षा)
- पवार पोपटराव भागुजी (सामाजिक कार्य)
- हिम्मत राम भांभू (सामाजिक कार्य)
- संजीव बिखचंदानी (व्यापार एवं उद्योग)
- गफुरब हाई एम बिलाक हिया (व्यापार एवं उद्योग)
- बॉब ब्लैकमैन (सार्वजनिक कार्य)
- सुश्री इंदिरा पी पी बोरा (कला) असम
- मदनसिंह चौहान (कला)
- उषा चौमार (सामाजिक कार्य) राजस्थान
- लील बहादुर चेत्री (साहित्य एवं शिक्षा)
- ललिता और सुश्री सरोजा चिदंबरम (जोड़ी) (कला)
- वजिरा चित्रसेन (कला) श्रीलंका
- डॉ. पुरुषोत्तम दाधीच (कला)
- उत्सव चरण दास (कला)
- प्रो. इंद्र दासनायके (मरणोपरांत) (साहित्य एवं शिक्षा)
- एचएम देसाई (साहित्य एवं शिक्षा)
- मनोहर देवदास (कला)
- ओइनम बेमबेम देवी (खेल)
- लिआ डिस्किन (सामाजिक कार्य)
- एमपी गणेश (खेल)
- डॉ बैंगलोर गंगाधर (चिकित्सा)
- डॉ. रमन गंगाखेडकर (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- बैरी गार्डिनर (सार्वजनिक कार्य)

- चेवांग मोटुप गोबा (व्यापार एवं उद्योग)
- भरत गोयनका (व्यापार एवं उद्योग)
- यदला गोपालराव (कला)
- मित्रभानु गौंटिया (कला)
- तुलसी गौड़ा (सामाजिक कार्य)
- सुजॉय के गुहा (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- हरेकला हजाबा (सामाजिक कार्य)
- इनामुल हक़ एवं अन्य- (पुरातत्त्व)
- मधु मंसूरी हसमुख (कला)
- अब्दुल जब्बार (मरणोपरांत) (सामाजिक कार्य)
- बिमल कुमार जैन (सामाजिक)
- मीनाक्षी जैन (साहित्य एवं शिक्षा)
- नेमनाथ जैन (व्यापार और उद्योग)
- शांति जैन (कला)
- सुधीर जैन (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- बेनीचंद्र जमातिया (साहित्य एवं शिक्षा)
- केवी संपत कुमार और सुश्री विदुषी जयलक्ष्मी के.एस. (जोड़ी) (साहित्य, शिक्षा- पत्रकारिता)
- करण जौहर (कला)
- डॉ. लीला जोशी (चिकित्सा)
- सरिता जोशी (कला)
- सी कमलोवा (साहित्य एवं शिक्षा)
- डॉ. रवि कन्नन आर (चिकित्सा)
- एकता कपूर (कला)
- यज़्दी नौशीरवान करंजिया (कला)
- नारायण जे जोशी करयाल (साहित्य एवं शिक्षा)
- डॉ. नरेंद्र नाथ खन्ना (चिकित्सा)
- नवीन खन्ना (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- एसपी कोठारी (साहित्य और शिक्षा)
- वीके मुन्नुसामी कृष्णापाकथार (कला)
- एमके कुंजोल (सामाजिक कार्य)
- मनमोहन महापात्र (मरणोपरांत) (कला)
- उस्ताद अनवर खान मंगनियार (कला)
- कट्टंगल सुब्रमण्यम मणिलाल (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- मुन्ना मास्टर (कला)
- प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्रा (साहित्य एवं शिक्षा)
- बिनापानी मोहंती (साहित्य एवं शिक्षा)
- डॉ. अरुणोदय मंडल (चिकित्सा)
- डॉ. पृथ्वीविंद्र मुखर्जी (साहित्य एवं शिक्षा)

- सत्यनारायण मुनदूर (सामाजिक कार्य)
- मणिलाल नाग (कला)
- एन. चंद्रशेखरन नायर (साहित्य एवं शिक्षा)
- डॉ. टी नाकामुरा (मरणोपरांत) (सामाजिक कार्य)
- शिव दत्त निर्मोही (साहित्य और शिक्षा)
- पु लालबिक्थंगा पाछु (साहित्य एवं शिक्षा- पत्रकारिता)
- मुज़िक्कल पंकजाक्षी (कला)
- डॉ. प्रशांत कुमार पट्टनायक (साहित्य एवं शिक्षा)
- जोगेंद्र नाथ फुकन (साहित्य एवं शिक्षा)
- रहिबई सोमा पोपेरे एवं अन्य (कृषि)
- योगेश प्रवीण (साहित्य और शिक्षा)
- जीतू राय (खेल)
- तरुणदीप राय (खेल)
- एस. रामकृष्णन (सामाजिक कार्य)
- रानी रामपाल (खेल)
- कंगना रनौत (कला)
- दलवई चलपति राव (कला)
- शाहबुद्दीन राठौड़ (साहित्य एवं शिक्षा)
- कल्याण सिंह रावत (सामाजिक कार्य)
- चिंताला वेंकट रेड्डी एवं अन्य (कृषि)
- डॉ. शांति राय (चिकित्सा)
- राधमोहन और सुश्री साबरमती (जोड़ी) अन्य (कृषि)
- बी साहू एवं अन्य (पशुपालन)
- ट्रिनिटी सायओ एवं अन्य (कृषि)
- अदनान सामी (कला)
- विजय संकेश्वर (व्यापार एवं उद्योग)
- डॉ. कुशाल कोंवर शर्मा (चिकित्सा)
- सईद महबूब शाह कादरी उर्फ सईदभाई (सामाजिक कार्य)
- मोहम्मद शरीफ (सामाजिक कार्य)
- श्याम सुंदर शर्मा (कला)
- डॉ. गुरदीप सिंह (चिकित्सा)
- रामजी सिंह (सामाजिक कार्य)
- वशिष्ठ नारायण सिंह (मरणोपरांत) (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- दया प्रकाश सिन्हा (कला)
- डॉ. सैंड्रा देसा सूजा (चिकित्सा)
- विजयसारथी श्रीभाष्यम (साहित्य एवं शिक्षा)
- काले शबी महबूब और शेख महबूब सुबानी (जोड़ी) (कला)
- जावेद अहमद (सामाजिक कार्य)

- प्रदीप थलप्पिल (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- येशे दोरजी थोंची (साहित्य एवं शिक्षा)
- रॉबर्ट थुरमन (साहित्य और शिक्षा)
- अगुस इंद्र उदयन (सामाजिक कार्य)
- हरीश चंद्र वर्मा (विज्ञान एवं इंजीनियरिंग)
- सुंदरम वर्मा (सामाजिक कार्य)
- डॉ. रोमेश टेकचंद वाधवानी (व्यापार एवं उद्योग)
- सुरेश वाडकर (कला)
- प्रेम वत्स (व्यापार एवं उद्योग)

कृषि पट्टे पर देने की नीति को लागू करने वाला उत्तराखंड बना देश का पहला राज्य

उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने कृषि भूमि को पट्टे पर देने की नीति बनाई है। राष्ट्रपति भवन की मंजूरी के बाद, राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है।

इस लीजिंग पॉलिसी के तहत 30 साल की लीज पर जमीन देने के बजाय संबंधित किसान को जमीन का किराया मिलेगा।

इस नीति के द्वारा कोई भी संस्था, कंपनी, फर्म या एनजीओ 30 साल की अवधि के लिए गांवों में अधिकतम 30 एकड़ के खेत को लीज पर ले सकती है और जिले मजिस्ट्रेट की अनुमति से शुल्क का भुगतान करके कृषि भूमि के आसपास की सरकारी जमीन को लीज के लिए लिया जा सकता है।

दुनिया का पहला जीवित, आत्म–चिकित्सा रोबोट : एक्सनोबोट्स

वर्मोंट और टफ्ट्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मेंढ़कों से स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके दुनिया का पहला जीवित और आत्म-चिकित्सा रोबोट एक्सनोबोट्स बनाया है। इसका नाम अफ्रीकी पंजे वाले मेंढक, ज़ेनोपस लाविस के नाम पर रखा गया है, जहाँ से वे स्टेम सेल लेते हैं।

एक्सनोबॉट्स कलाकृतियों के नए वर्ग हैं: एक जीवित, प्रोग्राम योग्य जीव, जो पारंपरिक रोबोट की तरह नहीं दिखता है। ये मार्च हैं जो चौड़ाई में एक मिलीमीटर (0.04 इंच) से कम हैं और मानव शरीर के अंदर यात्रा करने के लिए काफी छोटे हैं। वे चल सकते हैं और तैर सकते हैं, भोजन के बिना हफ्तों तक जीवित रह सकते हैं, और समूहों में एक साथ काम कर सकते हैं।

एक्सनोबोट्स का उपयोग रेडियोधर्मी कचरे को साफ करने, महासागरों में माइक्रोप्लास्टिक्स इकट्ठा करने, मानव शरीर के अंदर दवा ले जाने या यहां तक कि हमारी धमनियों में यात्रा करने के लिए किया जा सकता है।

ऑक्सफैम रिपोर्ट: भारत के सबसे अमीर 1% लोगों की वेल्थ 70% आबादी का 4 गुना है

राइट्स ग्रुप ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने टाइम टू केयर: अनपेड एंड अंडरपेड केयर वर्क एंड ग्लोबल असमानता संकट' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की |

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की सबसे अमीर 1% जनसंख्या के पास 4 गुना से अधिक धन है , जो देश की 70% आबादी के निचले हिस्से के लिए 953 मिलियन लोगों के पास है। 2019 में वैश्विक स्तर पर कुल अरबपतियों में से 2,153 लोगों के पास 4.6 बिलियन से अधिक संपत्ति है, जो ग्रह की आबादी का 60% हिस्सा बनाते हैं।

ऑक्सफैम टाइम टू केयर रिपोर्ट:

भारत पर रिपोर्ट:

- भारतीय अरबपतियों की संपत्ति: 63 भारतीय अरबपतियों की कुल संयुक्त संपती वित्त वर्ष 2018-19 के लिए देश के कुल केंद्रीय बजट से अधिक है, जो 24,42,200 करोड़ रुपये थी।
- महिलाओं और लड़कियों को हर दिन 3.26 बिलियन घंटे अवैतनिक देखभाल के काम में लगाया जाता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था का एक वर्ष में कम से कम 19 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है। यह 2019 में भारत के पूरे शिक्षा बजट का 20 गुना (93,000 करोड़ रुपये) भी है।

सामान्य रिपोर्ट:

- रिपोर्ट की गणना उपलब्ध नवीनतम डेटा स्रोतों पर आधारित थी, जिसमें क्रेडिट सुइस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ग्लोबल वेल्थ डेटाबूक 2019 और फोर्ब्स की 2019 बिलियनियर लिस्ट भी शामिल है।
- अरबपतियों ने अपनी संयुक्त संपत्ति में गिरावट के बावजूद एक दशक में दोगुना कर दिया है। दुनिया भर में पुरुषों के पास सभी महिलाओं की तुलना में 50% अधिक संपत्ति है।
- एक महिला घरेलू कामगार के लिए एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की सालाना आय प्राप्त करने में 22,277 साल लगेंगे।
- एक टेक सीईओ, जिसकी कमाई 106 रुपये प्रति सेकंड है, एक घरेलू कर्मचारी की तुलना में एक साल में कमाई करेगा।
- 11.5% वैश्विक कार्यबल भुगतान देखभाल कार्य में लगे हुए हैं। 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाएं प्रतिदिन 12.5 बिलियन घंटे अवैतनिक देखभाल के काम में लगाती हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के योगदान के बराबर है, जो वर्ष में कम से कम $ 10.8 ट्रिलियन है। यह वैश्विक टेक उद्योग के आकार से 3 गुना से अधिक है।
- सर्वेक्षण में पाया गया कि दुनिया के 22 सबसे अमीर पुरुषों के पास अफ्रीका की सभी महिलाओं की तुलना में अधिक संपत्ति है।
- वैश्विक कर का केवल 4% धन के कराधान से आता है। सुपर-अमीर लोग अध्ययन के अनुसार अपनी कर देनदारी के 30% से अधिक से बचते हैं।

- हाल ही में WEF की वार्षिक वैश्विक जोखिम रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय असमानता पर निम्न दबाव 2019 में तेज होगा।
- **असमानता कारक:** जलवायु का टूटना जो अब गति पकड़ रहा है, अनुमान लगाया गया है कि 2025 तक, 2.4 बिलियन तक लोग पर्याप्त पानी के बिना क्षेत्रों में रह रहे होंगे, जो अप्रत्यक्ष रूप से यह भी संकेत करता है कि महिलाओं और लड़कियों को पानी खोजने के लिए आगे चलने के लिए मजबूर किया जाएगा।

असमानता को कम करने के लिए प्रस्तावित कदम:

- यदि अगले 10 वर्षों में सबसे अमीर 1% 0.5% आदि धन कर का भुगतान करते हैं तो असमानता कम हो जाएगी। इससे बुजुर्गों, बच्चों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में 117 मिलियन नौकरियां पैदा होंगी।
- **काम निर्माण:** सकल घरेलू उत्पाद (सकल घरेलू उत्पाद) का 2% बनाने वाला प्रत्यक्ष सार्वजनिक निवेश संभावित रूप से 11 मिलियन नौकरियां पैदा करेगा और 2018 में खोए 11 मिलियन नौकरियों के लिए बनाएगा।
- **4R ढांचा:** नारीवादी अर्थशास्त्रियों, नागरिक समाज और देखभाल के अधिवक्ताओं ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों में कट्टरपंथी पुनर्मूल्यांकन के लिए 4R ढांचे का प्रस्ताव किया है। 4R पहचानते हैं, कम करते हैं, पुनर्वितरित करते हैं और प्रतिनिधित्व करते हैं

एसबीआई के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त हुए: चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी

भारत सरकार ने चल्ला श्रीनिवासुलु सेटी को भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के प्रबंध निदेशक (MD) के रूप में तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया है। वह वर्तमान में SBI के उप प्रबंध निदेशक (DMD) के रूप में सेवारत हैं।

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के एसटीआई के एमडी के रूप में सेट्टी को नियुक्त करने के प्रस्ताव को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दे दी है।

भारतीय स्टेट बैंक के तीन अन्य प्रबंध निदेशक हैं श्री पीके गुप्ता, श्री दिनेश कुमार खारा, श्री अरिजीत बसु और श्री सीएस सेटी।

भारत में विकसित टीबी डायग्नोस्टिक टेस्ट 'ट्रूनाट' अन्य टेस्ट से है बेहतर: डब्ल्यूएचओ

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक तपेदिक कार्यक्रम में "ट्रूनाट" नामक एक भारतीय आणविक परख (परीक्षण या विश्लेषण) को टीबी बैक्टीरिया के तनाव प्रतिरोध की पहचान करने के लिए अपने प्रारंभिक परीक्षण के रूप में शामिल किया गया है। परख को वैश्विक टीबी कार्यक्रम के आणविक एसेस पर तेजी से संचार दस्तावेज में शामिल किया गया है और इसकी उच्च सटीकता है।

ट्रूनाट और उसका विकास:

ट्रूनाट: यह पल्मोनरी और एक्स्ट्रापुलमरी टीबी और रिफैम्पिसिन प्रतिरोधी टीबी के लिए एक आणविक नैदानिक परीक्षण है।

यह लगभग 90 मिनट में रिफैम्पिसिन दवा के लिए प्रतिरोध प्रदान करता है और अब बलगम स्मीयर माइक्रोस्कोपी की जगह लेगा।

थूक माइक्रोस्कोपी में केवल 50% संवेदनशीलता है, जबकि ट्रूनेट मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (ट्रूनेट एमटीबी) परख की समग्र संवेदनशीलता 83% है और विशिष्टता 99% है। जब विश्व स्तर पर स्वीकृत जेनेक्सपर्ट परीक्षण की तुलना में, ट्रूनेट की संवेदनशीलता 85% है और विशिष्टता 98% है।

इस प्रकार, प्रतिरोध जानने के लिए सामान्य ट्रानेट MTB-RIF परीक्षण में 93% संवेदनशीलता और 95% विशिष्टता है ।

ट्रूनेट को गोवा स्थित मोल्बियो डायग्नोस्टिक्स द्वारा वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन (NPO) से तकनीकी सहायता के साथ विकसित किया गया है जिसे फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव न्यू डायग्नोस्टिक्स (FIND) कहा जाता है। डायग्नोस्टिक टूल का आकलन इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) द्वारा किया गया था।

जीनएक्सपर्ट परीक्षण की तुलना में यह अत्यधिक प्रभावी है। यह परिधीय केंद्रों में भी परीक्षण किया जा सकता है और एक वातानुकूलित प्रयोगशाला में संग्रहीत किया जाना आवश्यक नहीं है।

ट्रूनाट का विकास मुख्य रूप से आईसीएमआर द्वारा टीबी और मल्टीड्रग के निदान के लिए स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर दवा प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/एक्सडीआर टीबी) के प्रयासों के कारण हुआ था।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) और केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में जैव प्रौद्योगिकी विभाग (MoST) में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के समर्थन से तकनीकी विकास किए गए थे।

WHO के पूर्व–प्रक्रिया प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, भारत, इथियोपिया, पेरू और पापुआ-न्यू गिनी 4 देशों में फील्ड मूल्यांकन किया गया था। फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव न्यू डायग्नोस्टिक्स (FIND) नाम के वैश्विक गैर-लाभकारी संगठन (NPO) ने क्षेत्र मूल्यांकन का समन्वय किया।